उत्तराखण्ड सरकार
मा.मुख्यमंत्री प्रेस सूचना ब्यूरो
(सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग)
सचिवालय परिसर, सुभाष रोड, देहरादून
E-mail : infodirector.uk@gmail.com
Website : www.uttarainformation.gov.in

पौड़ी/देहरादून 10 फरवरी, 2019 (सू.ब्यूरो) **प्रेस नोट–05(02/51)**

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने रविवार को कोटद्वार के कण्वाश्रम में आयोजित कण्वाश्रम बसन्तोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। पौड़ी कण्वाश्रम आगमन पर नवनियुक्त गढ़वाल आयुक्त डा0 बीवीआरसी पुरूषोत्तम ने मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

कार्यक्रम में प्रदेश वासियों को बसंत पंचमी की शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि यह भारतवर्ष के महान चक्रवर्ती राजा भरत की तपस्थली है। इस स्थान को विश्व मानचित्र पर स्थान दिलाये जाने को लेकर उनकी सरकार ने ठोस पहल की है। प्राचीन, पौराणिक और आधुनिक संस्कृति के बीच में कोई गैप न आ जाए इसके लिए प्रधानमंत्री जी ने ऐसे पौराणिक स्थलों के पुनरूद्धार का बीड़ा उठाया है। इसके लिए प्रधानमंत्री ने पौराणिक स्थल कण्वाश्रम को देश के 32 आयकॉनिक स्थलों में शामिल किया, जिससे इस क्षेत्र को देश के अन्य प्रसिद्ध स्थलों में शुमार किया जा सके।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि भारत सरकार की आयुष्मान योजना तथा अटल आयुष्मान उत्तराखंड योजना के तहत प्रदेश के शत प्रतिशत बीपीएल परिवारों को पांच लाख रूपये का हेल्थ कवरेज मिला है। उत्तराखंड देश का अकेला ऐसा राज्य बन गया है जिसने इतनी बड़ी हैल्थ योजना को धरातल पर उतारा है। इस योजना के तहत 1300 से अधिक बीमारियों का उपचार निशुल्क है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी 14 फरवरी को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी रूद्रपुर से करोड़ों रूपए की योजना लॉच करने वाले हैं। इससे लाखों लोगों को रोजगार प्राप्त होंगे। इसके अलावा ऑरगेनिक योजना के तहत प्रधानमंत्री ने प्रदेश को 15 सौ करोड़ रूपये दिये हैं। इन येाजनाओं से लोगों का लिविंग स्टैंडर्ड भी बढ़ेगा। उन्होंने होमस्टे योजना को भी राज्यहित में अहम बताया। उन्होंने कहा कि व्यवसायिक होमस्टे में पहले बिजली और पानी का बिल की दरों को कॉमशियल रेट पर लगाया जाता था, लेकिन शीघ्र ही इसे डोमेस्टिक दरों पर वहन किया जाएगा। इस प्रकार की योजनाओं से राज्य की बेरोजगारी को तो दूर किया ही जा सकता है बल्कि इससे राज्य की आर्थिकी भी सुदृढ़ होगी। उन्होंने कहा कि प्रकृति ने उत्तराखंड राज्य को कई प्राकृतिक उपहार दिये हैं। जरूरत उनके वैज्ञानिक दोहन किये जाने की है। पिरूल से करीब पचास लाख लोगों को रोजगार भी दिया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने स्थानीय भाषाओं के रखरखाव और उनको बढ़ावा देने पर भी जोर दिया।

वन एवं वन्य जीव मंत्री डा0 हरक सिंह रावत ने कहा कि चक्रवर्ती राजा भरत की जन्मस्थली को ऐतिहासिक महत्व दिलाये जाने के लिए राज्य सरकार ने सराहनीय कार्य किये हैं। उन्होंने कहा कि कोटद्वार की हमेशा से यही मांग रही है कि 11 किमी लालढांग–चिल्लरखाल मोटर मार्ग का निर्माण शीघ्र किया जाए। उन्होंने कहा कि कोटद्वार डिग्री कालेज से कर्णाश्रम और कलालघाटी आने जाने में अब कोई दिक्कत नहीं होगी। इन क्षेत्रों में आवागमन के लिए तीन पुलों की स्वीकृति प्राप्त हुई है। जिसमें से एक का कार्य शीघ्र ही पूर्ण भी हो जाएगा जबकि अन्य दो पुलों का निर्माण बरसात से पहले होगा।

इस अवसर पर एसएसपी दलीप सिंह कुंवर, कोटद्वार मेयर हेमलता नेगी, जिलाध्यक्ष भाजपा शैलेंद्र बिष्ट, अपर जिलाधिकारी रामजी शरण शर्मा सहित जिला स्तरीय अधिकारी एवं स्थानीय जनता उपस्थित थी।

नोट– जिला सूचना कार्यालय पौड़ी से प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के आधार पर।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग

देहरादून 10 फरवरी, 2019 (सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–04(02/50)

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने रविवार को आई0आई0पी0 हर्रावाला में पावर ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन ऑफ उत्तराखण्ड लिमिटेड की 220/33 के0वी0 विद्युत सब स्टेशन का लोकार्पण किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सब स्टेशन उत्तराखण्ड का प्रथम 220 के0वी0 जी0आई0एस0 सिस्टम युक्त उप संस्थान है। राज्य सरकार की कोशिश है कि प्रदेश में इस प्रकार के अन्य उप संस्थान शीघ्र ही खोले जाएं। उन्होंने कहा कि जीआईएस सिस्टम युक्त इस प्रकार के संस्थान से विद्युत आपूर्ति में गुणात्मक सुधार होगा। राज्य सरकार की कोशिश है कि प्रदेशवासियों को क्वालिटी और क्वांटिटी की दृष्टि से अच्छी और अधिक विद्युत उपलब्ध कराएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सौर ऊर्जा पर भी फोकस कर रही है। यह अक्षय ऊर्जा है, जिसके उत्पादन को बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विद्युत को बढ़ाने के साथ साथ विद्युत को बचाने के लिए भी कार्य कर रही है। रुद्रप्रयाग की एक तहसील को पूर्ण रूप से एल0ई0डी0 युक्त कर दिया गया है। इससे लगभग तीन करोड़ यूनिट सालाना बिजली की बचत होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इसके लिए कोटाबाग और थानों में एल0ई0डी0 निर्माण का प्रशिक्षण दे रही है। मुख्यमंत्री ने अपील की कि हम सभी को विद्युत को बचाने के प्रयास करने होंगे, तभी हमें ऊर्जा का संचयन करने में सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा कि हमें घरों में एल0ई0डी0 के प्रयोग पर ध्यान देना होगा, इसमें एक तिहाई विद्युत ही खर्च होती है। यह ऊर्जा को बचाने का सबसे आसान और किफायती तरीका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में शीघ्र ही एक नेशनल लॉ कॉलेज का शिलान्यास सहित कैंसर और जच्चा बच्चा के लिए अस्पताल का भी शिलान्यास किया जाएगा।

इस अवसर पर विधायक श्री उमेश शर्मा काऊ एवं एमडी पिटकुल श्री संदीप सिंघल भी उपस्थित थे।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग

देहरादून 10 फरवरी, 2019 (सू.ब्यूरो) **प्रेस नोट–03(02/49)**

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत से रविवार को मुख्यमंत्री आवास में उत्तर प्रदेश की पर्यटन मंत्री श्रीमती रीता बहुगुणा जोशी ने भेंट की। इस दौरान अलकनन्दा परिसर के समीप उत्तराखण्ड व उत्तर प्रदेश के मध्य लैण्ड ट्रांसफर व अलकनन्दा परिसर में बनने वाले यूपी के पर्यटक आवास गृह के मामले पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि मेला क्षेत्र प्रभावित न हो इसके लिए भूमि स्थानान्तरण सबंधी जो मामला है उसका शीघ्र निस्तारण किया जाए। मेला क्षेत्र की उत्तर प्रदेश की भूमि उत्तराखण्ड को स्थान्तरित होगी जबकि उतनी ही भूमि उत्तर प्रदेश को अन्य स्थान पर दी जायेगी। मुख्यमंत्री ने एचआरडीए के अधिकारियों को निर्देश दिये कि अलकनन्दा परिसर में उत्तर प्रदेश द्वारा जो पर्यटक आवास गृह बनाया जा रहा है, उसके नक्शे की तकनीकि खामियों का निस्तारण करवाकर जल्द पास किया जाय। जिससे निर्माण कार्य जल्द पूरा किया जा सके।

इस अवसर पर उपाध्यक्ष एचआरडीए श्री आलोक कुमार पाण्डेय, उप मेलाधिकारी श्री गोपाल सिंह चौहान, अधिशासी अभियंता एचआरडीए श्री श्याम मोहन शर्मा, अधिशासी अभियंता इरिगेशन श्री एस. आई कुड़ियाल, महाप्रबंधक उत्तर प्रदेश निर्माण निगम श्री आनन्द तिवारी आदि उपस्थित थे।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग

देहरादून 10 फरवरी, 2019 (सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–02(02/48)

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने उत्तराखण्ड पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुख्यालय भवन ''गौरादेवी पर्यावरण भवन'' का लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने रविवार को आईटी पार्क, सहस्त्रधारा रोड में उत्तराखण्ड पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुख्यालय भवन ''गौरादेवी पर्यावरण भवन'' का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस भवन के बनने से पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को कार्य करने में सुविधा होगी व कार्य क्षमता में भी वृद्धि होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण का संरक्षण करना सभी की जिम्मेदारी है। पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी विभागों को सुनियोजित कार्ययोजना के साथ कार्य करना जरूरी है।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि उत्तराखण्ड को प्रकृति ने अनेक अमूल्य धरोहर दी हैं। हिमालय और पर्याप्त वन क्षेत्र उत्तराखण्ड के पास है। उत्तराखण्ड में लगभग 71 प्रतिशत वन भूमि है जबकि लगभग 48 प्रतिशत भूमि वनाच्छादित है। इन अमूल्य धरोहरों के सरंक्षण का कार्य भी मानव से अधिक प्रकृति ही करती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भविष्य की जरूरतों के दृष्टिगत जल का संरक्षण जरूरी है। जल संरक्षण की दिशा में राज्य सरकार निरन्तर प्रयास कर रही है। जल का एकत्रीकरण कर हम प्रदेश की जलापूर्ति कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें पुराने अनुभवों और आवश्यकताओं के आधार पर भी पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान देने की जरूरत हैं। रेणी गांव में गौरा देवी ने जो आन्दोलन किया वह आन्दोलन विश्व स्तर पर पर्यावरण संरक्षण के लिए चेतना का प्रमुख केन्द्र बना। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को शुद्ध हवा व पानी मिले इसके लिए पर्यावरण व जल संरक्षण की दिशा में सबको योगदान देने की जरूरत है।

वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. हरक सिंह रावत ने कहा कि मानव जीवन को बचाये रखने के लिए हिमालय, जल व जंगल को बचाये रखने के लिए अभिनव प्रयास करने होंगे। गौरा देवी जी का पर्यावरण चेतना का प्रयास पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूकता का प्रमुख कारणा बना। गौरा देवी के नाम पर पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुख्यालय भवन का नाम रखा गया है। वन एवं पर्यावरण मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत पर्यावरण व जल संरक्षण के लिए भगीरथ प्रयास कर रहे हैं। उनके प्रयासों से पर्यावरण व जल संरक्षण के प्रति लोगों में चेतना का संचार हुआ है।

विधायक श्री उमेश शर्मा काऊ ने कहा कि कार्यदाई संस्था द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का सुंदर भवन बनाया गया है। जल संरक्षण की दिशा में मुख्यमंत्री ने अभिनव पहल की है। उन्होंने कहा कि प्रकृति और मानव के बीच सांमजस्य बनाये रखना जरूरी है।

चिपको आन्दोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली गौरा देवी की वंशज श्रीमती बाली देवी ने कहा कि जल, जंगल व खेत को बचाने के लिए गौरा देवी ने आन्दोलन किया। उन्होंने कहा कि जब तक हम जल, जमीन व वृक्षों की रक्षा करेंगे तभी तक सुखी जीवन की कल्पना कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि लड़कियों की शादी व अन्य उत्सवों में लोगों को गांवों में पेड़ लगाने की परम्परा को बनाए रखना जरूरी है। हिमालय का संरक्षण करना भी जरूरी है।

इस अवसर पर प्रमुख सचिव श्री आनन्द वर्द्धन, प्रमुख वन संरक्षक श्री जयराज, उत्तराखण्ड पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव श्री एस.पी. सुबुद्धि आदि उपस्थित थे।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग

देहरादून 10 फरवरी, 2019 (सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–01(02/47)

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने विकास रथों का किया फ्लैग ऑफ

- **सभी स्वयं सहायता समूहों को मिलेगी बिना ब्याज के 5 लाख रूपये तक के लोन की सुविधा।**
- **सभी 70 विधानसभाओं में विकास रथ से सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जायेगी।**
- **स्थानीय बोलियों व नुक्कड़ नाटिका के माध्यम से दी जाएगी जानकारी।**

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह ने रविवार को मुख्यमंत्री आवास स्थित कैम्प कार्यालय से राज्य एवं केन्द्र सरकार की योजनाओं को जन–जन तक पहुंचाने के लिए विकास रथों का फ्लैग ऑफ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के स्वयं सहायता समूहों को चाहे व महिला स्वयं सहायता समूह हो या पुरूष स्वयं सहायता समूह हो को पांच लाख रूपये तक का लोन बिना ब्याज के दिया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आम जन को सरकारी योजनाओं की जानकारी हो और लोग इन योजनाओं का अधिक से अधिक उठा सकें इस उद्देश्य से प्रदेश की सभी 70 विधानसभाओं में विकास रथ के माध्यम से व्यापक स्तर पर प्रचार–प्रसार किया जायेगा। सरकारी योजनाओं के प्रचार के लिए सांस्कृतिक दलों द्वारा नुक्कड़ नाटिकाओं के माध्यम से जागरूक किया जायेगा। विकास रथों से एलईडी के माध्यम से सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जायेगी। एक माह में लगभग 250 स्थानों पर जाकर केन्द्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से लोगों को जागरूक किया जायेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अटल आयुष्मान योजना के तहत प्रदेश के 23 लाख परिवारों को 5 लाख रूपए तक का निशुल्क ईलाज उपलब्ध करवाया जा रहा है। सौभाग्य योजना से प्रदेश के हर घर तक बिजली पहुंचाई गई है। होम–स्टे योजना से युवा पर्यटन के क्षेत्र में स्वरोजगार कर सकते हैं। राज्य समेकित सहकारी विकास योजना से ग्रामीण अर्थव्यवस्था में क्रांतिकारी परिवर्तन आएंगे। इससे हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा और लाखों लोग लाभान्वित होंगे।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि कहा कि सांस्कृतिक दलों द्वारा गढ़वाली, कुमॉउनी व जौनसारी बोलियों के माध्यम से लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जायेगी। उन्होंने कहा कि पंजीकृत सांस्कृतिक दलों के कलाकारों के अभिनय कौशल व ऊर्जा का प्रदेश हित में सही उपयोग हो सके इसके लिए सांस्कृतिक दलों के पारिश्रमिक में तीन गुना वृद्धि की गई है। उन्होंने विकास रथ के साथ योजनाओं के प्रचार के लिए जा रहे कलाकारों को योजनाओं के प्रचार के साथ ही अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने को भी कहा।

इस अवसर पर वित्त मंत्री श्री प्रकाश पंत, विधायक श्री गणेश जोशी, मेयर श्री सुनील उनियाल गामा, सूचना महानिदेशक श्री दीपेन्द्र कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार श्री रमेश भट्ट, मीडिया कॉर्डिनेटर श्री दर्शन सिंह रावत, अपर निदेशक सूचना डॉ. अनिल चंदोला आदि उपस्थित थे।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग